IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 10, Issue 1, October 2021
Impact Factor: 5.731

मौलाना आजाद : धर्म की अवधारणा

डॉ. सन्तोष कुमार पाण्डेय
सहायक आचार्य
वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा उ0 प्र0
truthonly88@gmail.com

१८८८ ई. में मक्का में जन्मे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद किसी देश, काल और धर्म की रूढियों में आबद्ध नजर नहीं आते। उनके विचारों का उपयोग समय और स्थान के मुताबिक कहीं भी किया जा सकता है। फिर भी, चूँकि मौलाना आज़ाद का एक निश्चित कार्यक्षेत्र था, एक समय और स्थान विशेष में उनके विचारों का उद्भव और प्रसार हुआ, इसलिये मौलाना आज़ाद के विचारों को समझते समय, उनकी उपलब्धियों की व्याख्या करते समय, देशगत और परिस्थितिगत वैशिष्ट्य को ध्यान में रखना जरूरी है। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ऐसे आकाशधर्मा युगपुरुष थे, जिन्होंने समूची मानवता के हित में काम किया, समूचे मानव समुदाय को सही दिशा देने का स्तुत्य प्रयास किया। गुलामी की बेड़ियों में जकड़ी भारतीय जनता के दुःख-दर्द की बात करने वाले मौलाना आज़ाद मानव समाज में बेहतरी लाने का निरंतर प्रयास करते रहे। धर्म की तर्कसंगत युगानुकूल व्याख्या करते हुये मौलाना आजाद ने सर्व-धर्म समभाव की कोशिश को पुख्ता बनाया, धार्मिक विद्वेष फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ पुरजोर मुहिम चलाई और शिक्षा तथा ज्ञानार्जन के नये क्षितिज का उद्घाटन कर मानव मुक्ति के द्वार खोले।